भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate

Tele : 011-29583829, 29583545 e-mail : fmdte@nic.in, ffmcwc@gmail.com

भू तल, विंग 7 , पश्चिमी खण्ड–2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली–110066

विषय : दिनाकं 08/07/2024 की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संलग्न : उपरोक्तानुसार

जया श्रीवास्तव / Jaya Srivastava
अतिरिक्त सहायक निदेशक (ज.मौ.वि.)
Extra Assistant Director (HM)
केन्द्रीय जल आयोग / C.W.C.
भारत सरकार / Govt. of India
नई दिल्ली / New Delhi
EAD(HM)
(सहायक निदेशक)

उपनिदेशक

निदेशक (बा.पू.प्र.)

THE HINDU (08-07-2024)

10 killed in lightning in Bihar, Nitish announces ex gratia

Ten people died across Bihar in lightning in the last 24 hours, the Chief Minister's Office said on Sunday. According to the CMO statement, two deaths due to lightning were reported from Nalanda district, while Vaishali, Bhagalpur, Saharsa, Rohtas, Saran, Jamui, Bhojpur and Gopalganj account for one fatality each. Chief Minister Nitish Kumar announced ex-gratia of ₹4 lakh to the next of kin of each deceased and urged the people to take precautions during inclement weather. Rain and thunderstorms have been lashing Bihar where lightning has killed about 40 people in the last couple of weeks. PTI

THE TRIBUNE (08-07-2024)

After heavy rain, many rivers in Bihar touch danger levels

PATNA, JULY 7

With heavy rain lashing various parts of Bihar in the past 24 hours, major rivers, including Kosi, Mahananda, Bagmati, Gandak, Kamla Balan and Kamla, were flowing above the danger level at many places, a bulletin issued by the Water Resources Department (WRD) said on Sunday.

While the rivers were flowing above the danger mark at several places, those — in some places — touched the warning levels, it said.

The water level of Bagmati river has touched the danger mark at Sitamarhi, Muzaffarpur, Sheohar, Aurai and Suppi and other adjoining areas.

"The water level of Bagmati river, as recorded at 8 am on Sunday, in Sitamarhi and Suppi was 71.16m, which is 0.16m above the danger level. Likewise, Bagmati crossed the danger mark in Muzaffarpur, Sheohar, Aurai and Piprahi," the bulletin said.

"In Gopalganj and Sidhwalia, Gandak river is flowing above the danger mark of 62.22m (till 8 am on Sunday). Similarly, Kamla Balan river touched the danger mark in Madhubani, Lakhnaur and Jhanjharpur. Kamla river is also flowing above the danger mark of 67.75m in certain areas of Madhubani and Jainagar," the bulletin said. — PTI

Commuters wade through a waterlogged road following rain in Patna on Sunday. PTI

80 GET STUCK AT GOA WATERFALL, RESCUED

All 80 people stuck at Pali waterfall in Goa's Sattari taluka were rescued on Sunday by the state's Fire and Emergency Services and the police, an official said. These persons had got stranded after sudden increase in water upstream and the river that has to be crossed to reach the waterfall got swollen by afternoon amid heavy rain in the region through the weekend. PTI

The Hindu
08/07/2024

THE HINDU
News

Death toll in flood-hit Assam rises to 66; rivers still in spate

Over 22.7 lakh people, about 33% of them in Dhubri district bordering Bangladesh, remain affected; authorities in 28 districts on high alert as Brahmaputra, Barak rivers flow above the danger level

The Hindu Bureau
GUWAHATI

Eight people, including two children, died during the past 24 hours, taking the death toll in two waves of floods in Assam since May to 66.

The figure excludes the death of an eight-year-old boy in Guwahati, whose body was recovered on Sunday, three days after he was swept away in a stormwater drain. Two more people – a woman and her child – died in a rain-induced landslip near the Assam-Meghalaya boundary on Friday.

An update provided by the Assam State Disaster Management Authority (ASDMA) on Sunday night said the eight people who drowned or were washed away since Saturday evening included three children.

"The authorities in 28 districts remain on high alert as the Brahmaputra, Barak, and other major rivers are flowing above the danger level. They have also been asked to provide adequate relief materials to 53,689 people across 269 relief camps," an ASDMA spokesperson said.

She said more than 22.74 lakh people remain affected, about 33% of them in western Assam's Dhubri district bordering Bangladesh.

Safe perch: Flood-affected villagers take shelter in makeshift camps on an embankment at Mayong village in Morigaon district of Assam on Sunday. RITU RAJ KONWAR

Boy's body recovered

Rescue workers recovered the body of Avinash Sarkar in the city's Rajgarh locality, more than a kilometre from where he was swept away. His body was identified by his parents at the Gauhati Medical College and Hospital on Sunday morning.

The boy went missing about 11 p.m. on Thursday when he fell into a fast-flowing stormwater drain after his father, a motor mechanic, lost balance while trying to ascend a slushy incline on a two-wheeler. The boy was riding pillion on the two-wheeler.

Animals in peril

Officials in central-eastern Assam's Kaziranga National Park and Tiger Reserve said the water level in the 1,307.49-sq. km rhino domain dipped but 15 animals died during the last 24 hours.

So far, 129 animals have died while trying to escape from the flooded park to the safety of the hills across National Highway 715 skirting its southern fringes. This included six rhinos and an otter pup.

The rest of the animals killed were all hog deer, two of them run over by vehicles moving at speeds beyond the limit of 40 km per hour.

Of the park's 233 anti-poaching camps, 68 remain flooded while four others had to be vacated by the forest guards.

हिन्दुस्तान

8/07/2024

मुरादाबाद में पशुशाला-मकान ध्वस्त होने से दो मरे, बलरामपुर में राप्ती खतरे के निशान से 20 सेमी ऊपर बह रही

यूपी में वज्रपात से पांच लोगों की मौत

मौसम की मार

लखनऊ, विशेष संवाददाता । उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में शनिवार से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। इस बारिश की वजह से राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है और बाढ़ के हालात पैदा हो रहे हैं। इस बीच, आकाशीय बिजली गिरने से जौनपुर-गाजीपुर में दो-दो, बलिया में एक की जान गई जबकि मुरादाबाद में पशुशाला व मकान ध्वस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई।

राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कुशीनगर में नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है और खड्डा तहसील में 13 गांव बाढ़ से घिर गए हैं। श्रावस्ती में भी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। यहां 18 गांव बाढ़ग्रस्त हो गए हैं। बलरामपुर में राप्ती खतरे के निशान से 20 सेमी ऊपर बह रही है। करीब दो सौ गांव बाढ़ से घिरे हुए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद जिलों में रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। बाढ़ में फंसे 148 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

उत्तराखंड : जोशीमठ में पांच सौ तीर्थ यात्री रोके गए

जोशीमठ/ऋषिकेश। बदरीनाथ हाईवे बीते शनिवार तड़के ऋषिकेश से देवप्रयाग के बीच कई स्थानों पर बंद हो गया था। शिवपुरी, महादेव चट्टी, धौलधार में शनिवार शाम तक सड़क खुल गई थी, पर तोताघाटी में बंद रही। रविवार सुबह तोताघाटी में मलबा हटाकर बदरीनाथ हाईवे खोला गया। हालांकि, रविवार तड़के पांच बजे जोशीमठ से बदरीनाथ के बीच दो स्थानों पर हाईवे बंद हो गया। इस कारण जोशीमठ में लगभग पांच सौ तीर्थ यात्री रोके गए हैं।

पालघर में रविवार को बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते कर्मी।

बिहार : पांच नदियां लाल निशान के पार

पटना। नेपाल और बिहार में बारिश से उत्तर बिहार की नदियां पूरे उफान पर हैं। पांच नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। राज्य में पिछले 24 घंटों में औसत 23.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। 17 जिलों में शनिवार की सुबह से रविवार की सुबह तक झमाझम बारिश हुई है, जिससे कई गांवों में पानी घुस गया। सोमवार को चंपारण और आसपास के क्षेत्रों के अलावा नेपाल की तराई वाले इलाकों से सटे जिलों में भारी बारिश के आसार हैं।

17 जिलों में 24 घंटे लगातार बारिश, 56 फाटक खुले कोसी बराज के

असम : बाढ़ से हाहाकार

असम के लगभग हर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। राज्य में 29 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 24 लाख लोग इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं। इनमें से धुबरी में सबसे अधिक 7.95 लाख लोग प्रभावित हैं। कछार और दरांग जिले भी बाढ़ का कहर जारी है।

महाराष्ट्र : ट्रेन सेवा बाधित

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कसारा और टिटवाला स्टेशन के बीच लोकल ट्रेन सेवाएं भारी बारिश के कारण रविवार सुबह बाधित हो गईं। मध्य रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कसारा और टिटवाला के बीच ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं।

गोवा: जलप्रपात में 80 फंसे, 50 को बचाया

गोवा के सत्तारी तालुका में पाली जलप्रपात में रविवार को भारी बारिश के कारण अचानक जलस्तर बढ़ जाने से 80 लोग फंस गए, इनमें से 50 लोगों को बचा लिया गया, जबकि 30 लोग अभी भी फंसे हुए हैं।

नव भारत Times

8/07/2024

भारी बारिश, लैंडस्लाइड से चारधाम यात्रा रोकी गई

■ विशेष संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में चार दिनों से लगातार हो रही बारिश, लैंडस्लाइड और आगे भी भारी बारिश के अलर्ट के चलते चारधाम यात्रा रविवार को अस्थायी रूप से रोक दी गई। गढ़वाल के कमिश्नर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा स्थगित करने का फैसला लिया गया। सभी श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे ऋषिकेश से आगे चारधाम यात्रा के लिए न निकलें। जो निकल चुके हैं, वे मौसम ठीक होने तक उसी जगह रुक जाएं, जहां अभी हैं।

बदरीनाथ जाने वाला नैशनल हाइवे कई जगहों पर लैंडस्लाइड के कारण ब्लॉक है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें हैं। सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। पिथौरागढ़ में लगातार बारिश से चीन सीमा से सड़क संपर्क टूट चुका है। चीन सीमा को जोड़ने वाले कैलाश मार्ग पर बैली ब्रिज भी खतरे में है। धारचुला-लिपुलेख सड़क 5 दिनों से बंद है। ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। हल्द्वानी-देहरादून हाइवे पर चकलुवा के पास बना पुल खतरे में है। अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ समेत 9 जिलों में रेड अलर्ट है। लोगों से घरों में रहने की अपील। ▶▶ पेज 14

Agency

बदरीनाथ जाने वाला नैशनल हाइवे कई जगहों पर लैंडस्लाइड के कारण ब्लॉक है। चमोली जिले में अलकनंदा नदी खतरे के निशान के करीब है।

असम: 24 लाख लोग पानी में घिरे

असम की भयानक बाढ़ में राज्य के 29 जिलों की 24 लाख की आबादी पानी में घिरी है। ब्रह्मपुत्र समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण अबतक 78 जानें जा चुकी हैं। गुरुवार को गुवाहाटी में नाले में गिरे 8 साल के बच्चे का शव तीन दिन बाद बरामद हुआ। (पीटीआई)

ठाणे और गोवा में फंसे टूरिस्टों को बचाया गया

महाराष्ट्र के ठाणे में बारिश के कारण रेजॉर्ट में फंसे 49 लोगों को NDRF ने नावों और लाइफ जैकेट के सहारे बचाया। गोवा के के पाली जल प्रपात में फंसे 80 लोगों को बचाया गया। इस बचाव दल ने पालघर में 16 गांववालों को भी सुरक्षित निकाला। ये गांववाले पास के तानसा बांध में जलस्तर बढ़ने के बाद आई बाढ़ में फंस गए थे। (पीटीआई)

यमुना एक्सप्रेसवे के पास डूबीं 4 बच्चियां

वेस्ट यूपी के आगरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे के पास रविवार सुबह तालाब में डूबने से चार बच्चियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक महिला और आठ बच्चियां डूबने लगीं, तो उनकी चीख सुनकर होमगार्ड और पास में क्रिकेट खेल रहे लोग तालाब में कूदे। इन्होंने महिला और बच्चियों को निकाला। इनमें चार बच्चियों की मौत हो गई।

नव भारत Times

08/07/2024

तेज़ बारिश के साथ ही नदियों में बढ़ा जलस्तर, कई जगह खतरे के निशान से ऊपर

कोलकाता में हुई तेज बारिश

भुवनेश्वर में सड़कों पर भरा पानी

बारिश, बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में बाढ़ आ गई है तो वहीं कई जगहों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मूसलाधार बारिश होने से कई राज्यों पर नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में और तेज बारिश हो सकती है।

Photos: PTI

गोवा में फंसे सभी 80 लोगों को बचाया गया

गोवा के सत्तारी तालुका में पाली जलप्रपात में रविवार को भारी बारिश के कारण अचानक जलस्तर बढ़ जाने के बाद करीब 80 लोगों को बचा लिया गया। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) अक्षत कौशल ने बताया कि दमकलकर्मी और आपातकालीन सेवाकर्मियों की मदद से जलप्रपात पर बचाव अभियान शुरू किया गया। रविवार होने के कारण सुबह जलप्रपात पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। भारी बारिश के बीच जलप्रपात में पानी का बहाव अचानक बढ़ गया। इस बीच, नदी में भी जलस्तर बढ़ने लगा और वहां मौजूद लोग उसमें फंस गए।

यूपी में भारी बारिश से बढ़ा नदियों का जलस्तर

उत्तर प्रदेश में नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। प्राकृतिक आपदाओं में 12 लोगों की मौत हो गई है। कुशीनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद अचानक पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों को राहत अभियान चलाकर सुरक्षित निकाला गया है।

पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात

पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर लगातार बारिश के कारण कुछ निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इसके कारण कई रास्ते बंद हो गए। जलपाईगुड़ी नगर पालिका की अध्यक्ष पापिया पाल ने कहा कि शहर के कई इलाके बारिश के पानी में डूब गए हैं, जिसके कारण कम से कम 300 परिवारों को सामुदायिक हॉल और बाढ़ आश्रय स्थलों में जाना पड़ा है। मौसम विभाग ने कहा कि दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरद्वार में 12 जुलाई तक तेज भारी बारिश होने की संभावना है।

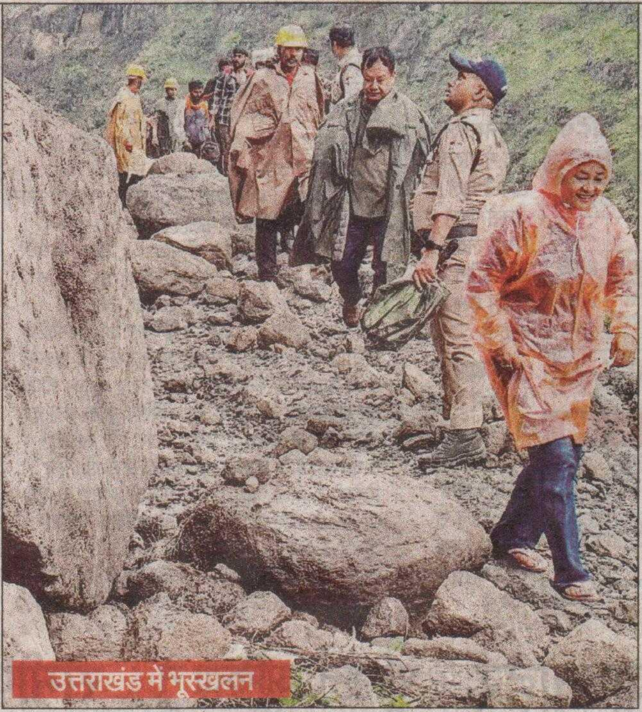

उत्तराखंड में भूस्खलन

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भूस्खलन के बाद फंसे 23 लोगों को बचाव दल ने बचाया।

बिहार: पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज में बाढ़ का खतरा

भारी बारिश से बिहार के पश्चिम चंपारण और गोपालगंज जिलों में स्थिति काफी चिंताजनक बन गई है। नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। नेपाल में भारी बारिश के कारण देवघाट पर नारायणी नदी का जलस्तर 5.71 क्यूसेक तक बढ़ गया है, इसलिए वहां से पानी छोड़ा जा रहा है। इसका असर गंडक नदी पर भी पड़ रहा है। इसके चलते जल संसाधन विभाग ने शनिवार रात वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से 4.28 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा। जल स्तर बढ़ने से वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में पानी घुस गया है। इस वजह से निवासियों और वन्यजीव दोनों के लिए खतरा पैदा हो गया है।